

२१/२०

पत्रापी प्रहुर ही गये मूल का का
 निम्नान्न लेने के कारण प्राण का कौचिपरी
 के क. प्राण का २२२ राम खादिन किया जाता
 पत्रापी निम्नानुकार दखिल कल
 के नमक ले का ही

